बालाजी मेहन्दीपुर है सुहाना,
वहाँ मिलता क्या है यह भक्तोँ ने जाना ॥
बालाजी वहाँ मिलता

(तर्ज :- जिन्दगी एक सफर है सुहाना)

बालाजी मेहन्दीपुर है सुहाना,
वहाँ मिलता क्या है यह भक्तोँ ने जाना ॥
बालाजी वहाँ मिलता

चलते जाओ बाबा के नगर,
दुखड़ोँ की तू परवाह न कर,
मुस्कराते हुए तुम घर को आना ॥१ ॥
वहाँ मिलता बालाजी

मन्दिर की है शोभा बड़ी प्यारी,
लाखोँ आते हैँ दर पे नर–नारी,
चरणोँ मेँ झुकता सारा जमाना ॥२ ॥
वहाँ मिलता बालाजी

रहता है भण्डार बाबा का खुला,
जिसने भी मांगा उसको ही मिला,
तुम भी झोली अपनी फैलाना ॥३ ॥
वहाँ मिलता बालाजी

दु :खड़े अपने हनुमत को सुनाना,

भेंट आँसूओं की चरणों में चढ़ाना,
गीत भी खेदड़ के बाबा को सुनाना ॥४ ॥
वहाँ मिलता बालाजी

बालाजी मेहन्दीपुर है सुहाना,
वहाँ मिलता क्या है यह भक्तों ने जाना ॥
बालाजी वहाँ मिलता

Source: https://www.bharattemples.com/balaji-mehandipur-hai-suhana-bhajan/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw